

# 常用成语

## 纠错

CHANGYONG  
CHENGYU  
JIUCUO  
480 例

张国风·编著

成语是中华语言智慧的结晶，  
它言简意赅，内涵深远，有言有尽而意无穷之奇趣。



金盾出版社

成语是历史的产物  
语言文化的瑰宝

# 常用成语纠错 480例

张国风 编著

金盾出版社

## 内 容 提 要

中国文化历史悠久，博大精深。成语是人民智慧的结晶、汉语词汇的精华，以其言近旨远、形象生动的独有特点，传承了中华丰富的历史文化。用对了，出口成章，彰显文采；用错了，贻笑大方，当众出丑。本书汇集了人们常用的、易错的成语 480 例，并对其出处、本义、正确用法进行分析解释，希望能对有缘阅读本书的读者提供一些借鉴与帮助。

### 图书在版编目（CIP）数据

常用成语纠错 480 例 / 张国风编著 . —北京：金盾出版社，2014.10  
ISBN 978-7-5082-9164-2

I. ①常… II. ①张… III. ①汉语—成语—通俗读物 IV. ① H136.3-49

中国版本图书馆 CIP 数据核字（2014）第 022041 号

### 金盾出版社出版、总发行

北京太平路 5 号（地铁万寿路站往南）

邮政编码：100036 电话：68214039 83219215

传真：68276683 网址：[www.jdcbs.cn](http://www.jdcbs.cn)

封面印刷：北京精美彩色印刷有限公司

正文印刷：北京万友印刷有限公司

装订：北京万友印刷有限公司

各地新华书店经销

开本：880×1230 1/32 印张：15 字数：324 千字

2014 年 10 月第 1 版第 1 次印刷

印数：1~5 000 册 定价：35.00 元

（凡购买金盾出版社的图书，如有缺页、  
倒页、脱页者，本社发行部负责调换）



# 前 言

在丰富的汉语词汇中，成语是一个特殊的家族。它的数量相当可观。成语是长期使用、约定俗成、言简意赅的短语。

成语的优点是显而易见的，含义丰富而形式非常的精练。有些成语的意思不难理解，有些成语的意思理解起来比较困难。与此同时，我们也看到，如果我们缺乏相关的历史知识、文化知识，如果我们缺乏起码的语文训练，对成语的理解和运用就会产生问题。

现在我们面临的是一个网络时代、一个博客时代。电脑的普及，微博的出现，极大地改变了我们的生活。一方面，随着网络进入千家万户，公众的话语权大大提升，谁都可以在网上发表自己的意见，而且这种意见可以迅速地被大众所知晓；另一方面，由于大众的文化水平极不平衡，网上发表的文字也出现了许多语法上的不合规范乃至于错误的情况。网络的速度很快，容易出现急不择言的情况，这就大大增加了发生错误的概率。无法忽视的事实是，别字泛滥，用词不当，语法错谬，已经成为网络文字的一个非常严重的问题。网络的使用者，主要是青少年，青少年是民族的未来，如果我们的青少年在一个充满别字、充满语法错谬的环境中长大，那是一个多么可怕的情景。在网络的语言混乱

中，成语使用中的错谬引人注目，本书有鉴于此，特意针对网络中成语使用的种种错谬，进行纠正，希望引起公众的注意。

成语的使用非常灵活，但是，活用和错用是有严格区别的。我们必须严肃地注意区分。要把成语使用得好，不是一件容易的事情。成语都有来历，辞典上的解释只是择其要点，它的丰富内涵只有仔细认真地体会过才能领悟。

成语是中国语言文化中的瑰宝。我们要珍惜它，用好它。

本书的体例，大致是按成语的拼音来安排成语的顺序。每个成语说明它的出处和本意。凡出处是古文而又意思费解者，即将其译作现代汉语。列出错例（在错误成语之后，用黑体字括注正确成语，以便区分对照），然后加以简要的分析。这些错例基本上都来自网络。本书说明它的出处，包括来自哪个网，时间（年、月、日）。一般还有第二步的提示，譬如博主的名称，或是频道的提示，或是内容、分类的提示。当然，这里所注的网名，不一定是原始出处。网上的文字常常被转载。个别读音容易弄错的地方，编者加了注音。

本书所列错例，其内容和观点只代表原作者的见解，不代表本书的立场。本书只是在成语纠错的意义上加以引用。

本书成书仓促，如有不当之处，还望读者不吝指教。

编著者

# 目 录

## Aa

|      |   |      |   |
|------|---|------|---|
| 唉声叹气 | 1 | 按部就班 | 5 |
| 爱屋及乌 | 2 | 按图索骥 | 6 |
| 安分守己 | 3 | 黯然神伤 | 7 |
| 按兵不动 | 4 | 嗷嗷待哺 | 7 |

## Bb

|           |    |      |    |
|-----------|----|------|----|
| 白雪皑皑      | 9  | 变本加厉 | 20 |
| 百尺竿头,更进一步 | 10 | 变幻莫测 | 21 |
| 百口莫辩      | 11 | 彪炳史册 | 22 |
| 百战不殆      | 11 | 别出心裁 | 23 |
| 斑驳陆离      | 12 | 彬彬有礼 | 24 |
| 暴殄天物      | 13 | 冰清玉洁 | 25 |
| 卑躬屈膝      | 14 | 秉公执法 | 26 |
| 背道而驰      | 15 | 并驾齐驱 | 27 |
| 毕恭毕敬      | 16 | 并行不悖 | 28 |
| 筚路蓝缕      | 17 | 病入膏肓 | 29 |
| 敝帚自珍      | 18 | 波澜壮阔 | 30 |
| 鞭辟入里      | 19 | 不耻下问 | 31 |

---

|      |    |      |    |
|------|----|------|----|
| 不动声色 | 32 | 不屈不挠 | 40 |
| 不寒而栗 | 33 | 不容置疑 | 41 |
| 不假思索 | 34 | 不同凡响 | 42 |
| 不胫而走 | 35 | 不屑一顾 | 43 |
| 不可名状 | 36 | 不省人事 | 44 |
| 不可思议 | 37 | 不厌其烦 | 44 |
| 不落窠臼 | 38 | 步履维艰 | 45 |
| 不毛之地 | 39 |      |    |

Cc

|      |    |      |    |
|------|----|------|----|
| 惨绝人寰 | 47 | 出类拔萃 | 60 |
| 沧海一粟 | 47 | 出其不意 | 61 |
| 藏污纳垢 | 48 | 出奇制胜 | 62 |
| 草菅人命 | 49 | 出神入化 | 63 |
| 恻隐之心 | 50 | 初出茅庐 | 64 |
| 姹紫嫣红 | 51 | 川流不息 | 64 |
| 缠绵悱恻 | 52 | 传宗接代 | 65 |
| 长此以往 | 53 | 吹毛求疵 | 66 |
| 长年累月 | 54 | 唇枪舌剑 | 67 |
| 陈词滥调 | 55 | 刺刺不休 | 68 |
| 瞠目结舌 | 56 | 粗制滥造 | 69 |
| 重蹈覆辙 | 56 | 催人泪下 | 70 |
| 崇山峻岭 | 57 | 错落有致 | 71 |
| 出尔反尔 | 58 |      |    |

**Dd**

|      |    |      |     |
|------|----|------|-----|
| 打抱不平 | 73 | 得陇望蜀 | 89  |
| 大步流星 | 74 | 雕虫小技 | 90  |
| 大材小用 | 75 | 掉头不顾 | 90  |
| 大放厥词 | 76 | 鼎鼎大名 | 91  |
| 大快朵颐 | 77 | 丢人现眼 | 92  |
| 大谬不然 | 77 | 丢三落四 | 93  |
| 大器晚成 | 78 | 东施效颦 | 94  |
| 大伤元气 | 79 | 豆蔻年华 | 95  |
| 大声疾呼 | 80 | 独出机杼 | 96  |
| 大是大非 | 82 | 独出心裁 | 97  |
| 大庭广众 | 82 | 独当一面 | 98  |
| 大有裨益 | 83 | 独辟蹊径 | 99  |
| 大张旗鼓 | 84 | 独树一帜 | 100 |
| 待价而沽 | 85 | 独行其是 | 101 |
| 戴罪立功 | 86 | 妒贤嫉能 | 101 |
| 殚精竭虑 | 87 | 断章取义 | 102 |
| 当机立断 | 88 | 多多益善 | 104 |

**Ee**

|      |     |      |     |
|------|-----|------|-----|
| 额手称庆 | 105 | 耳鬓厮磨 | 107 |
| 饿殍遍野 | 106 | 耳濡目染 | 108 |
| 发扬光大 | 109 | 翻来覆去 | 110 |

|        |     |      |     |
|--------|-----|------|-----|
| 翻天覆地   | 111 | 风尘仆仆 | 123 |
| 繁文缛节   | 111 | 风驰电掣 | 124 |
| 反其道而行之 | 112 | 风靡一时 | 124 |
| 返璞归真   | 113 | 风声鹤唳 | 125 |
| 犯而不校   | 114 | 风姿绰约 | 126 |
| 飞扬跋扈   | 116 | 蜂拥而上 | 127 |
| 非分之想   | 117 | 凤毛麟角 | 128 |
| 蜚声遐迩   | 118 | 浮想联翩 | 129 |
| 匪夷所思   | 118 | 俯首称臣 | 130 |
| 废寝忘食   | 119 | 俯首帖耳 | 131 |
| 分道扬镳   | 120 | 妇孺皆知 | 132 |
| 纷至沓来   | 121 | 附庸风雅 | 133 |
| 愤世嫉俗   | 122 |      |     |

**Gg**

|      |     |      |     |
|------|-----|------|-----|
| 改弦更张 | 135 | 呱呱坠地 | 143 |
| 改邪归正 | 136 | 孤苦伶仃 | 144 |
| 刚愎自用 | 137 | 骨鲠在喉 | 145 |
| 高瞻远瞩 | 137 | 蛊惑人心 | 146 |
| 各抒己见 | 138 | 故技重演 | 147 |
| 各行其是 | 139 | 故态复萌 | 147 |
| 工于心计 | 140 | 顾名思义 | 148 |
| 功亏一篑 | 141 | 瓜熟蒂落 | 149 |
| 觥筹交错 | 142 | 关怀备至 | 150 |
| 苟延残喘 | 143 | 广种薄收 | 150 |

\*\*\* 目录 \*\*\*

|      |     |      |     |
|------|-----|------|-----|
| 鬼斧神工 | 151 | 鬼蜮伎俩 | 153 |
| 鬼鬼祟祟 | 152 | 过犹不及 | 154 |

**Hh**

|      |     |      |     |
|------|-----|------|-----|
| 含糊其词 | 156 | 虎视眈眈 | 165 |
| 汗流浃背 | 157 | 怙恶不悛 | 166 |
| 悍然不顾 | 157 | 花里胡哨 | 167 |
| 号啕大哭 | 158 | 花拳绣腿 | 168 |
| 好高骛远 | 159 | 哗众取宠 | 169 |
| 和盘托出 | 160 | 欢欣鼓舞 | 170 |
| 和衷共济 | 161 | 皇皇巨著 | 170 |
| 后事之师 | 162 | 黄粱美梦 | 171 |
| 呼天抢地 | 163 | 魂牵梦萦 | 172 |
| 胡搅蛮缠 | 163 | 火中取栗 | 173 |
| 胡作非为 | 164 | 豁然开朗 | 174 |

**Jj**

|      |     |      |     |
|------|-----|------|-----|
| 饥肠辘辘 | 176 | 既往不咎 | 183 |
| 吉人天相 | 177 | 继往开来 | 184 |
| 岌岌可危 | 178 | 家长里短 | 185 |
| 急不可耐 | 178 | 戛然而止 | 186 |
| 集思广益 | 179 | 坚如磐石 | 187 |
| 集腋成裘 | 180 | 兼收并蓄 | 188 |
| 佶屈聱牙 | 181 | 见风使舵 | 189 |
| 籍籍无名 | 182 | 见危授命 | 189 |

**常用成语纠错 480 例**

|      |     |      |     |
|------|-----|------|-----|
| 娇生惯养 | 190 | 泾渭分明 | 198 |
| 矫枉过正 | 191 | 精神焕发 | 199 |
| 孑然一身 | 192 | 九霄云外 | 200 |
| 节哀顺变 | 193 | 久负盛名 | 201 |
| 桀骜不驯 | 194 | 鸠占鹊巢 | 202 |
| 竭泽而渔 | 194 | 咎由自取 | 203 |
| 金碧辉煌 | 195 | 举手投足 | 204 |
| 紧锣密鼓 | 196 | 聚精会神 | 205 |
| 噤若寒蝉 | 197 |      |     |

**Kk**

|      |     |      |     |
|------|-----|------|-----|
| 开源节流 | 206 | 空空如也 | 209 |
| 开宗明义 | 207 | 苦心孤诣 | 210 |
| 恪尽职守 | 208 | 脍炙人口 | 211 |

**Li**

|      |     |      |     |
|------|-----|------|-----|
| 滥竽充数 | 212 | 连篇累牍 | 220 |
| 劳燕分飞 | 213 | 良辰美景 | 221 |
| 老奸巨猾 | 214 | 良莠不齐 | 222 |
| 乐此不疲 | 215 | 两全其美 | 223 |
| 礼尚往来 | 215 | 寥寥无几 | 224 |
| 李代桃僵 | 216 | 淋漓尽致 | 225 |
| 厉兵秣马 | 217 | 琳琅满目 | 226 |
| 励精图治 | 218 | 伶牙俐齿 | 226 |
| 利欲熏心 | 219 | 凌霜傲雪 | 227 |

\*\*\* 目录 \*\*\*

|      |     |      |     |
|------|-----|------|-----|
| 另眼相看 | 228 | 流言蜚语 | 230 |
| 流芳百世 | 229 | 勠力同心 | 231 |

**Mm**

|         |     |           |     |
|---------|-----|-----------|-----|
| 满腹经纶    | 232 | 面授机宜      | 246 |
| 满目疮痍    | 233 | 民生凋敝      | 246 |
| 漫不经心    | 234 | 名列前茅      | 247 |
| 慢条斯理    | 234 | 明辨是非      | 248 |
| 毛骨悚然    | 235 | 明火执仗      | 249 |
| 冒天下之大不韪 | 236 | 明修栈道,暗度陈仓 | 250 |
| 没精打采    | 237 | 明日黄花      | 251 |
| 每况愈下    | 238 | 鸣金收兵      | 252 |
| 美轮美奂    | 239 | 模棱两可      | 253 |
| 梦寐以求    | 240 | 摩肩接踵      | 254 |
| 靡靡之音    | 241 | 摩拳擦掌      | 255 |
| 秘而不宣    | 242 | 漠不关心      | 256 |
| 绵里藏针    | 242 | 墨守成规      | 257 |
| 勉为其难    | 244 | 目不暇接      | 258 |
| 面黄肌瘦    | 245 |           |     |

**Nn**

|      |     |      |     |
|------|-----|------|-----|
| 难辞其咎 | 260 | 年高德劭 | 263 |
| 难以名状 | 261 | 忸怩作态 | 264 |
| 能屈能伸 | 262 | 弄巧成拙 | 265 |
| 拈轻怕重 | 263 | 奴颜婢膝 | 266 |

怒不可遏 ..... 267

### Oo

呕心沥血 ..... 269

### Pp

|      |     |      |     |
|------|-----|------|-----|
| 旁征博引 | 271 | 平白无故 | 276 |
| 怦然心动 | 272 | 平心而论 | 277 |
| 蓬荜生辉 | 273 | 萍水相逢 | 278 |
| 披肝沥胆 | 273 | 迫不及待 | 279 |
| 披星戴月 | 275 | 破釜沉舟 | 280 |
| 被发文身 | 275 | 扑朔迷离 | 281 |

### Qq

|      |     |          |     |
|------|-----|----------|-----|
| 气冲霄汉 | 283 | 锲而不舍     | 294 |
| 气喘吁吁 | 284 | 青出于蓝而胜于蓝 | 295 |
| 气势磅礴 | 285 | 青红皂白     | 296 |
| 气势汹汹 | 286 | 情不自禁     | 297 |
| 恰如其分 | 287 | 情有独钟     | 298 |
| 千锤百炼 | 288 | 罄竹难书     | 299 |
| 前倨后恭 | 289 | 穷兵黩武     | 300 |
| 前仆后继 | 290 | 曲意逢迎     | 301 |
| 前仰后合 | 290 | 屈指可数     | 302 |
| 强弩之末 | 291 | 趋炎附势     | 303 |
| 敲诈勒索 | 292 | 趋之若鹜     | 303 |
| 乔装打扮 | 293 | 全军覆没     | 304 |

Rr

|      |     |      |     |
|------|-----|------|-----|
| 惹是生非 | 306 | 如火如荼 | 313 |
| 人才辈出 | 307 | 如雷贯耳 | 315 |
| 人心惶惶 | 308 | 如愿以偿 | 315 |
| 人赃俱获 | 309 | 入不敷出 | 316 |
| 融会贯通 | 310 | 入木三分 | 317 |
| 如出一辙 | 310 | 若即若离 | 318 |
| 如法炮制 | 311 | 弱不禁风 | 319 |
| 如鲠在喉 | 312 |      |     |

Ss

|      |     |         |     |
|------|-----|---------|-----|
| 三顾茅庐 | 321 | 声名鹊起    | 333 |
| 丧心病狂 | 322 | 省吃俭用    | 334 |
| 搔首弄姿 | 323 | 时运亨通    | 335 |
| 姗姗来迟 | 324 | 识时务者为俊杰 | 336 |
| 煽风点火 | 325 | 拾人牙慧    | 337 |
| 潸然泪下 | 326 | 食不果腹    | 338 |
| 善罢甘休 | 327 | 史无前例    | 339 |
| 舍生取义 | 328 | 世外桃源    | 340 |
| 身体力行 | 329 | 事过境迁    | 341 |
| 深居简出 | 330 | 事实胜于雄辩  | 342 |
| 神采奕奕 | 331 | 拭目以待    | 343 |
| 生死不渝 | 332 | 首屈一指    | 344 |
| 生死攸关 | 332 | 水乳交融    | 344 |

## 常用成语纠错 480 例

|      |     |      |     |
|------|-----|------|-----|
| 水泄不通 | 345 | 耸人听闻 | 350 |
| 水性杨花 | 346 | 俗不可耐 | 351 |
| 司空见惯 | 347 | 随心所欲 | 352 |
| 死不瞑目 | 348 | 所向披靡 | 353 |
| 似是而非 | 349 |      |     |

### Tt

|           |     |      |     |
|-----------|-----|------|-----|
| 叹为观止      | 355 | 亭亭玉立 | 364 |
| 滔滔不绝      | 356 | 通宵达旦 | 364 |
| 桃李不言,下自成蹊 | 357 | 同病相怜 | 365 |
| 提纲挈领      | 358 | 头昏目眩 | 366 |
| 天翻地覆      | 359 | 投机取巧 | 367 |
| 天涯海角      | 360 | 荼毒生灵 | 368 |
| 天作之合      | 362 | 囤积居奇 | 369 |
| 挑肥拣瘦      | 363 |      |     |

### Ww

|      |     |      |     |
|------|-----|------|-----|
| 瓦釜雷鸣 | 371 | 惟妙惟肖 | 378 |
| 完璧归赵 | 372 | 委曲求全 | 379 |
| 莞尔一笑 | 373 | 萎靡不振 | 380 |
| 万马齐喑 | 374 | 唯唯诺诺 | 381 |
| 枉费心机 | 375 | 未雨绸缪 | 382 |
| 危如累卵 | 375 | 蔚为大观 | 383 |
| 危言耸听 | 376 | 温文尔雅 | 384 |
| 唯我独尊 | 377 | 文过饰非 | 385 |

\*\*\* 目 录 \*\*\*

|      |     |      |     |
|------|-----|------|-----|
| 闻名遐迩 | 386 | 毋庸置疑 | 390 |
| 无可奈何 | 387 | 五内如焚 | 391 |
| 无理取闹 | 388 | 五脏俱全 | 392 |
| 无事生非 | 389 |      |     |

Xx

|      |     |      |     |
|------|-----|------|-----|
| 熙熙攘攘 | 393 | 信口雌黄 | 406 |
| 瑕不掩瑜 | 394 | 信马由缰 | 407 |
| 闲情逸致 | 395 | 行将就木 | 408 |
| 相辅相成 | 396 | 形销骨立 | 409 |
| 相形见绌 | 397 | 休养生息 | 410 |
| 向隅而泣 | 398 | 虚与委蛇 | 411 |
| 逍遙法外 | 399 | 虚左以待 | 412 |
| 霄壤之别 | 400 | 嘘寒问暖 | 413 |
| 小心翼翼 | 401 | 栩栩如生 | 414 |
| 心驰神往 | 402 | 轩然大波 | 415 |
| 心怀叵测 | 403 | 喧宾夺主 | 416 |
| 心无旁骛 | 404 | 循循善诱 | 417 |
| 心心相印 | 405 | 徇私枉法 | 418 |

Yy

|      |     |      |     |
|------|-----|------|-----|
| 严惩不贷 | 419 | 奄奄一息 | 423 |
| 言不及义 | 420 | 殃及池鱼 | 424 |
| 言不由衷 | 421 | 洋洋洒洒 | 424 |
| 言简意赅 | 421 | 摇摇欲坠 | 426 |

|      |     |      |     |
|------|-----|------|-----|
| 杳无音信 | 427 | 倚老卖老 | 440 |
| 一鼓作气 | 428 | 抑扬顿挫 | 441 |
| 一哄而上 | 429 | 因人而异 | 442 |
| 一诺千金 | 429 | 阴谋诡计 | 443 |
| 一抔黄土 | 430 | 引吭高歌 | 444 |
| 一如既往 | 431 | 饮鸩止渴 | 445 |
| 一视同仁 | 432 | 蝇营狗苟 | 447 |
| 一塌糊涂 | 433 | 庸人自扰 | 448 |
| 一望无际 | 434 | 优哉游哉 | 449 |
| 一张一弛 | 435 | 有恃无恐 | 450 |
| 一朝一夕 | 436 | 欲盖弥彰 | 451 |
| 贻笑大方 | 437 | 远见卓识 | 452 |
| 以德报怨 | 438 | 怨天尤人 | 453 |
| 以儆效尤 | 439 |      |     |

**Zz**

|      |     |      |     |
|------|-----|------|-----|
| 再接再厉 | 455 | 正襟危坐 | 460 |
| 责无旁贷 | 456 | 炙手可热 | 461 |
| 仗义执言 | 457 | 中西合璧 | 462 |
| 真知灼见 | 458 | 忠贞不渝 | 463 |
| 振聋发聩 | 459 | 蛛丝马迹 | 464 |